(b) The Food Corporation of India has taken a number of steps to reduce the losses such as enforcing 100 per cent weighment at the handling points of foodgrains to the extent possible, additional installation of weighbridges, stricter quality control at the time of purchase, better preservation, reduction in quantum of filling, machine stitching, effective supervision, surprise checks and construction/ hiring of additional storage capacity.

सब्जी के थोक व्यापारियों का दरियागंज से ओखला स्थानान्तरित किया जाना

2938. **श्रीमती रेणुका चौधरी** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने दिल्ली में दरियागंज फल मंडी में सब्जी के थोक व्यापारियों को ओखला में स्थानान्तरित करने हेतु हाल ही में एक योजना बनायी थी ;

(ख) यदि हां, तो यह योजना कब बनायी गयी और इस योजना के अंतर्गत जमीन का मूल्य क्या निर्धारित किया गया ;

(ग) इस योजना को क्रियान्वित करने के लिए अब तक उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) इसके पूर्व क्रियान्वित होने में पेश आने वाली समस्याओं का ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) जी, हां।

(ख) योजना जुलाई, 1987 में बनाई गई थी। दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा थोक व्यापार की दुकानों (64 वर्ग मीटर) का निर्धारित आरक्षित मूल्य 9,49,268 रुपये है, जिसमें से भूमि की लागत 5 लाख रुपये है। सांशाखोरों की दुकानों (16 वर्ग मीटर) का मूल्य 1,93,287 रुपये है।

(ग) एक ड्रा 28-7-87 को निकाला गया था, तथा कमीशन एजेंटों और सांशाखोरों को मांग पत्र जारी किए गए हैं और उनसे पत्रों के जारी होने की तारीख से 30 दिन के अन्दर दुकानों का मूल्य जमा करने के लिए कहा गया है :

(घ) योजना को कार्यान्वित करने में दिल्ली विकास प्राधिकरण कोई समस्या अनुभव नहीं कर रहा है।

बिहार में बीज और उर्वरकों की कमी

2939. **श्रीमती रेणुका चौधरी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सूबे। केलिद्र बीज और उन रकों की कमी पड़ रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है और क्या बिहार सरकार केन्द्रीय सरकार को अपनी मांग भेजी है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यरा क्या है तथा सरकार द्वारा इस बारे में की गई कार्यवाही का विस्तृत विवरण क्या है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) से (ग) रबी 1987-88 के लिए बिहार राज्य को बीज की आवश्यकताओं की अगस्त, 1987 में बीजों के संबंध में हुए क्षेत्रीय सम्मेलन में समीक्षा की गई तथा यह पाया गया कि वहां गेहूं, मक्का, दलहनों, तिलहनों और आलू की कमी हो सकती है। गेहूं के बीजों में कमी होने के कारण पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे मुख्य गेहूं उत्पादक राज्यों में चालू मौसम के दौरान गेहूं की कटाई के समय असमय वर्षा का होना है। अन्य फसलों के बीजों की कमी होने का मुख्य कारण बीज की अधिक दर